नंदिग्राम टाईम्स

RNI NO. MAHHIN/2016/69743 EDITOR : SHAIKH JAHUR AHEMAD

Monday 12th January 2026 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 257 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

मुंबई में पहली बार नॉन-एसी लोकल ट्रेन में ऑटोमैटिक दरवाजे — जल्द शुरू होगा ट्रायल

मुंबईकरों के लिए एक बड़ी सुरक्षा खबर सामने आई है — सेंट्रल रेलवे अब नॉन-एसी लोकल ट्रेनों में भी ऑटोमैटिक दरवाजे लगाने जा रही है। इस नई ट्रेन को CSMT-कल्याण रूट पर चलाने की योजना है और इसका ट्रायल जल्द ही शुरू होने वाला है।

अब तक ये सुविधा सिर्फ एसी लोकल ट्रेन में ही मिलती थी, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर इसे नॉन-एसी रेक पर भी लागू किया जा रहा है। खुलते दरवाजों के कारण कई बार लोगों के गिरने जैसे खतरनाक घटनाएँ होती थीं, खासकर भीड़भाड़ के समय। इसी समस्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है ताकि चलती ट्रेन में चढ़ते-उतरते हादसे कम हों और यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिले।

ट्रायल के दौरान दरवाजों की कार्यप्रणाली, वेंटिलेशन, लोगों की आवाजाही और भीड़ का प्रबंधन खास नजरिए से जांचा जाएगा। सफल परीक्षण के बाद इस तरह की और ट्रेनें भी शुरू किए जाने की संभावना है। मुंबई की लोकल ट्रेनें शहर की जीवनरेखा हैं, और इस तकनीकी बदलाव से यात्रियों की सुरक्षा और भी बेहतर होगी।

भारत के लिए तोड़ी चीन, जापान वाली परंपरा, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की यात्रा क्यों है खास, समझ लीजिए

नई दिल्ली : जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की दो दिन की भारत यात्रा सोमवार से शुरू हो रही है। मर्ज की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम मोदी और जर्मनी के चांसलर मर्ज की गुजरात के अहमदाबाद में मुलाकात होगी। मोदी और जर्मनी के चांसलर सोमवार को साबरमती आश्रम का दौरा करेंगे। इतना ही नहीं दोनों नेता साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव में भाग लेंगे। खास बात है कि गांधीनगर के महात्मा मंदिर में द्विपक्षीय बैठकें होंगी। जर्मनी के चांसलर की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते को लेकर तल्खी बनी हुई है। ऐसे में इस यात्रा का अपना ही महत्व है।

भारत-जर्मनी रणनीतिक पार्टनरशिप के 25 साल

अहमदाबाद में दोनों नेता भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, जिसने हाल ही में 25 वर्ष पूरे किए हैं।

रिपोर्ट के अनुसार दोनों नेताओं के बीच चर्चा व्यापार और निवेश, टेक्नोलॉजी, शिक्षा,

कौशल विकास और आवागमन में सहयोग को और अधिक मजबूत करने पर भी केंद्रित होगी। साथ ही रक्षा और सुरक्षा, विज्ञान, इनोवेशन और रिसर्च, हरित और सतत विकास और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगी।

मर्ज का यह दौरा क्यों है अहम?

मर्ज ने चांसलर के तौर पर अपने पहले एशिया दौरे के लिए भारत को चुना है। इस तरह उन्होंने एक पुरानी परंपरा को तोड़ा है, जिसमें जर्मन नेता आमतौर पर चीन या जापान जाते थे। इस प्रतीकात्मक रुख को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। यह जर्मनी की विदेश नीति की कैलकुलेशन में भारत के बढ़ते रणनीतिक महत्व को दिखाता है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे का पहला दिन शानदार नजारों के साथ शुरू होगा। जर्मनी यूरोप में भारत के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदारों में से एक बना हुआ है। उम्मीद है कि इस दौरे से भारत-जर्मनी संबंध और भी अधिक रणनीतिक दिशा में आगे बढ़ेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी और चांसलर मर्ज क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके साथ ही, दोनों देशों के व्यापार और उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ बातचीत भी होगी। दोनों देशों के बीच कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

मोदी-मर्ज की मुलाकात पर दुनिया की नजर

उम्मीद जताई जा रही है कि मोदी और मर्ज प्रमुख क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। ऐसे समय में जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव है। दोनों देश यूक्रेन में युद्ध से लेकर इंडो-पैसिफिक में बदलते समीकरणों और संयुक्त राज्य अमेरिका से मिल रहे बदलते संकेतों को भी देख रहे हैं। जर्मन चांसलर के दौरे को अब बर्लिन की नई दिल्ली के साथ एक जैसी स्ट्रेटेजिक दिशा में आगे बढ़ने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। जर्मनी के साथ डिफेंस सहयोग बढ़ाने की दिशा में भारत प्रोजेक्ट 75I के तहत छह उन्नत पनडुब्बियों के लिए 8 अरब डॉलर के समझौते के करीब है। यह कदम नौसैनिक क्षमता, मेक इन इंडिया और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगा।

डीएमके ने तमिलनाडु में कांग्रेस की सत्ता साझेदारी मांग को ठुकराया — सीएम स्टालिन का सख्त रुख

संवाददाता |

तमिलनाडु की सियासी हलचल तेज हो गई है, क्योंकि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने कांग्रेस की सत्ता साझा करने की मांग को सख्ती से खारिज कर दिया है।

कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में सत्ता के बंटवारे की बात उठाई थी, ताकि जीत के बाद वह सरकार में भागीदारी पा सके। लेकिन डीएमके के सीनियर नेता और राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आई. पेरियासामी ने स्पष्ट कहा कि पार्टी साझा सत्ता वाले गठबंधन सरकार की संभावना पर विचार ही नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि स्टालिन का रुख स्थिर है और डीएमके अपने दम पर प्रशासन चलाना चाहती है।

डीएमके ने पहले भी हमेशा ऐसे रुख को अपनाया है जहाँ वह प्रधान नेतृत्व बनाए रखे, भले ही वह गठबंधन के साथ हो या बिना। कांग्रेस नेताओं के इस प्रस्ताव के विरोध के बावजूद, डीएमके ने गठबंधन के प्रति वफादारी जताई है, पर स्पष्ट कर दिया है कि आगे भी कोई औपचारिक सत्ता-साझाकरण नहीं होगा। इससे कांग्रेस को तमिलनाडु में अपना राजनीतिक महत्व हासिल करने में चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, खासकर आगामी चुनावों के दौरान।

Mumbai BMC Polls: मुंबई की BEST में महिलाओं को 50% छूट, BJP-शिवसेना ने जारी किया महायुति का घोषणापत्र

मुंबई: बीजेपी और शिवसेना ने रविवार को बीएमसी चुनावों के लिए महायुति का घोषणापत्र जारी कर दिया है। बीजेपी और शिवसेना ने बीएमसी में सत्ता हासिल करने पर महिलाओं को बेस्ट बस के किराए में 50 फीसदी की छूट देने का वादा किया है। मुंबई के बीएमसी चुनावों में बीजेपी-शिवसेना के साथ रामदास आठवले की पार्टी का गठबंधन है। बीजेपी ने ठाकरे बंधुओं के मराठी कार्ड को कमजोर करने के लिए कई बड़े वादे किए हैं। घोषणापत्र में कहा गया है कि मराठी भाषा को मजबूत करने के लिए नगर पालिका में अलग मराठी डिपार्टमेंट, मराठी आर्ट सेंटर और अभ्यास केंद्र बनाए जाएंगे। मुंबई में 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे। 16 जनवरी को नतीजे घोषित होंगे। महायुति ने घोषणापत्र को वचननामा नाम दिया है। घोषणापत्र के पहले पेज पर पीएम मोदी के साथ बाल ठाकरे और आनंद दिघे का चित्र है। ठाकरे ब्रदर्स पहले ही अपना मेनिफेस्टो जारी कर चुके हैं।

महायुति के घोषणापत्र की बड़ी बातें:

*मुंबई को 2034 तक एक विकसित महानगर बनाने का लक्ष्य।

*पानी, BEST, मार्केट, इंडस्ट्री, टूरिज्म और सांस्कृतिक विकास पर फोकस।

*अगले पांच सालों में गरगई, पिंजल और दमनगंगा प्रोजेक्ट पूरे करने का वादा।

*पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष योजनाओं के तहत 17 हजार करोड़ रुपये का बजट।

*BMC मार्केट में मछली बेचने वालों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने का वादा।

*BEST में महिलाओं को 50% छूट देने का वादा, पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत करेंगे।

*2029 तक BEST को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बस सेवा में बदलने का लक्ष्य।

*टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाएगा अलग डिपार्टमेंट बनेगा।

महायुति के घोषणापत्र की बड़ी बातें:

मुंबई को 2034 तक एक विकसित महानगर बनाने का लक्ष्य।

पानी, BEST, मार्केट, इंडस्ट्री, टूरिज्म और सांस्कृतिक विकास पर फोकस।

अगले पांच सालों में गरगई, पिंजल और दमनगंगा प्रोजेक्ट पूरे करने का वादा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष योजनाओं के तहत 17 हजार करोड़ रुपये का बजट।

BMC मार्केट में मछली बेचने वालों के लिए कोल्ड स्टोरेज बनाने का वादा।

BEST में महिलाओं को 50% छूट देने का वादा, पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत करेंगे।

2029 तक BEST को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बस सेवा में बदलने का लक्ष्य।

टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनाया जाएगा अलग डिपार्टमेंट बनेगा।

Raj Thackeray: गौतम अडानी पर हमला, सरकार को घेरा, डुप्लीकेट वोटर को चेतावनी, शिवाजी पार्क में और क्या बोले राज ठाकरे

मुंबई: 20 साल बाद मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सत्ता के लिए ठाकरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे शिवाजी पार्क (शिवतीर्थ) के मंच पर एक साथ आए। इस ऐतिहासिक मौके पर राज ठाकरे अपने भाषण की शुरुआत में ही इमोशनल होते दिखे। राज ठाकरे ने कहा कि आज ज्ञान देने वाले बालासाहेब और उनके माता-पिता को यहां होना चाहिए था। मैं बालासाहेब के साथ इस मैदान में कई बार आया हूं। उन यादों को याद करते हुए राज ठाकरे इमोशनल हो गए।

सरकार पर बरसे राज ठाकरे

इस बीच राज ठाकरे ने बताया कि मुंबई पर आए संकट की वजह से दोनों भाई एक साथ आए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीकांत ठाकरे, बालासाहेब ठाकरे और उनकी मां ऊपर से हमारी लड़ाई देख रहे होंगे। उन्होंने हिंदी की अनिवार्यता के मुद्दे पर सरकार की कड़ी आलोचना की और सरकार पर पैसे के दम पर सब कुछ खरीदने का लालची होने का आरोप लगाया।

सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी

राज ठाकरे ने एक बड़ी मीटिंग में कार्यकर्ताओं से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि 20 साल बाद गठबंधन करते हुए कई लोगों को टिकट नहीं मिल पाया। कुछ नाराज थे या कुछ ने अलग रास्ता अपना लिया। उन्होंने साफ किया कि उनका किसी को दुख पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था और माफी मांगी।

गौतम अडानी पर हमला

देश के सभी एयरपोर्ट और पोर्ट गौतम अडानी के कंट्रोल में हैं। राज ठाकरे ने अडानी के मालिकाना हक वाले प्रोजेक्ट्स की लिस्ट पढ़ी। राज ठाकरे ने अडानी को मिले वेंचर्स की आलोचना की। उन्होंने अडानी के जरिए सरकार को घेरने की कोशिश की। एक आदमी पर इतनी मेहरबानी क्यों? राज ठाकरे ने यह सवाल भी उठाया।

मराठी लोगों का यह आखिरी चुनाव

अपनी स्पीच के आखिर में राज ठाकरे ने कहा, 'यह मराठी लोगों का आखिरी चुनाव है। अगर आप आज वोटिंग मिस करते हैं, तो इसे पक्की हार समझिए। अगर ये शहर आज आपके हाथ से उनके हाथ में चले गए। तो कल आप किससे शिकायत करेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि आज मैं दूसरी पार्टियों के मराठी लोगों से अपील करता हूं। वह सब छोड़ो। मराठी लोगों के लिए एक हो जाओ। इस मुंबई के लिए एक हो जाओ। इस महाराष्ट्र के लिए एक हो जाओ।

कार्यकर्ताओं से की अपील

राज ठाकरे ने कहा कि इतने सालों की परंपरा से, इतने लोगों की तपस्या से, यह मुंबई महाराष्ट्र को मिली थी। हमारे 107 शहीद चले गए। अगर यह मुंबई चली गई, तो मूर्तियों का क्या मतलब? मूर्तियां कहेंगी कि हमारे मराठी लोगों को मुंबई इसलिए खोनी पड़ी क्योंकि वे लापरवाह थे। हम सत्ता का क्या कर सकते हैं, सत्ता के बिना भी, हम इतने सालों से लात-घूंसे चला रहे हैं, हमने सत्ता में आए कई लोगों को रौंदा है। लेकिन आपको इस चुनाव में इन सभी शासकों का खामियाजा भुगतना होगा। यही मुझे आपसे कहना है।

जम्मू-कश्मीर में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, सुरक्षा बल हाई अलर्ट

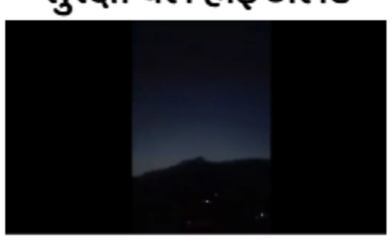

जम्मू-कश्मीर के सांबा, राजौरी और पुंछ जिलों में संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधियाँ देखी गई हैं, जिसके बाद सुरक्षा बलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और तलाशी अभियान जारी रखा गया है। ऐसे कई ड्रोन-जैसे उड़ने वाले ऑब्जेक्ट्स को एलओसी (कंट्रोल लाइन) और अंतरराष्ट्रीय सीमा (IB) के पास कुछ समय के लिए भारतीय क्षेत्र में मंडराते हुए देखा गया, फिर वे वापस पाकिस्तान की ओर चले गए।

सुरक्षा एजेंसियाँ इस बात की जांच कर रही हैं कि क्या इन ड्रोन गतिविधियों का उद्देश्य निगरानी, हथियार/नशीले पदार्थ गिराना या अन्य संभावित खतरों से जुड़ा हुआ है। भारतीय सेना और बीएसएफ ने क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है औरground search operations के साथ सुरक्षा चौकसी कड़ी कर दी है। यह घटनाएँ सीमा सुरक्षा की संवेदनशीलता को उजागर करती हैं और सुरक्षा बलों की तत्परता बढ़ाती हैं।

तो घर पर बुलडोजर चलेगा, AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने BJP, अजित पवार और शिंदे का नाम लेकर नागपुर में किया आगाह

नागपुर | महाराष्ट्र में महानगर पालिका चुनावों के लिए प्रचार अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। चुनावी अभियान में हैदराबाद से सांसद असुदद्दीन ओवैसी भी कूद गए हैं। उन्होंने नागपुर में मुस्लिम को चेतावनी दी और कहा कि वे सिर्फ वोट बैंक बनकर न रहें, नहीं तो घरों पर बुलडोजर ही चलेगा।

महाराष्ट्र में महानगर पालिका के चुनावों के लिए प्रचार के अंतिम दौर में पहुंचने के बाद जुबानी हमला जारी है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) में मुख्यालय वाले शहर पहुंचे असुदद्दीन ओसैवी ने मुसलमानों को चेताया। नागपुर में एक सभा को संबोधित करते हुए शनिवार को AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों की कोई पॉलिटिकल एजेंसी नहीं है।

अगर आप सिर्फ वोटर बनकर रहेंगे, तो घर पर बुलडोजर चलेगा। ओवैसी ने कहा कि बीजेपी हो, अजीत पवार या एकनाथ शिंदे ये सभी पार्टियां आपको डराकर आपका वोट हासिल करना चाहती हैं। मजलिस आपको कह रही है कि अपनी पॉलिटिकल एजेंसी बनाइए।

ताजदुद्दीन दरगाह भी गए ओवैसी

ओवैसी की पार्टी मुंबई बीएमसी चुनावों के साथ कई शहरों में महानगर पालिका के चुनाव लड़ रही है। इनमें मालेगांव, भिवंडी और औरंगाबाद काफी प्रमुख हैं। जहां पर एआईएमआईएम को प्रभाव भी है। 2017 की बात करें तो मुंबई में एआईएमआईएम को 2 सीटों पर जीत मिली थी। पार्टी ने 2024 के विधानसभा चुनावों में खाता खोला था। नागपुर में एक बड़ी सभी सभा को संबोधित करते के बाद ओवैसी ने फेसबुक पर लिखा कि नागपुर के ताज बाग में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। जर्मनी के साथ डिफेंस सहयोग बढ़ाने की दिशा में भारत प्रोजेक्ट 75I के तहत छह उन्नत पनडुब्बियों के लिए 8 अरब डॉलर के समझौते के करीब है। यह कदम नौसैनिक क्षमता, मेक इन इंडिया और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगा।

अपने भाषण में मैंने नागपुर की गयूर और जागरूक आवाम से महानगरपालिका चुनाव में पतंग निशान पर वोट डालकर एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को कामयाब बनाने की अपील की। साथ ही मैने हजरत बाबा ताजुद्दीन दरगाह पर हाजिरी भी दी।

आज भी ओवैसी की कई सभाएं

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य और एआईएमआईएम के मुखिया असुदद्दीन ओवैसी रविवार को भी महाराष्ट्र के दौरे पर रहेंगे। वह कुल तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। पार्टी ने 11 जनवरी के कार्यक्रम में महाराष्ट्र के परभणी, जालना और अहमदनगर में चुनावी जनसभाएं रखी हैं। शनिवार को नागपुर के साथ ओवैसी ने अमरावती में चुनावी रैली को संबोधित किया था। उन्होंने अमरावती के चांदनी चौक में आयोजित सभा में अमरावती महानगरपालिका चुनाव में पतंग निशान पर वोट की अपील की थी।

RSS देशभर में आयोजित करेगा एक लाख से अधिक हिंदू सम्मेलन, जानें क्या है वजह

नई दिल्ल/मथुरा: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ता संगठन की शताब्दी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 15 जनवरी से देश भर में 'हिंदू सम्मेलन' आयोजित करेंगे। आरएसएस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। आरएसएस ने देश भर में एक लाख से अधिक ऐसे सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य रखा है। इनमें से लगभग 2,000 सम्मेलन उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में आयोजित किए जाएंगे।

आरएसएस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा शताब्दी वर्ष को 'समाज उत्सव' के रूप में मनाने और संपूर्ण हिंदू समाज को एकजुट करने के आह्वान के बाद पिछले वर्ष विजयदशमी के अवसर पर सम्मेलनों की इस श्रृंखला की शुरुआत की गई थी।

हिंदू सम्मेलन का क्या है उद्देश्य?

ब्रज प्रांत के प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार ने कहा, ''इन सम्मेलनों का उद्देश्य संपूर्ण हिंदू समाज को एक साथ लाना एवं एकता का संदेश देना है तथा लोगों को आपस में जोड़ना है।'' आरएसएस पदाधिकारी के अनुसार, सम्मेलनों में होने वाली चर्चाओं का केंद्र बिंदु सामाजिक सद्भाव, एकता और नेतृत्व द्वारा सुझाए गए पांच परिवर्तनकारी बदलाव होंगे, जिनके बारे में संगठन का मानना है कि ये सामाजिक कमियों को दूर करने और जाति या वर्ग भेद से परे एक साझा हिंदू पहचान को बढ़ावा देने में सहायक होंगे।

ब्रंज प्रांत के 12 जिलों में 2 हजार स्थानों पर सम्मेलन

कुमार ने बताया कि ब्रज प्रांत में हिंदू सम्मेलन 15 जनवरी से 15 फरवरी के बीच आरएसएस द्वारा निर्धारित 12 जिलों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रांतीय, क्षेत्रीय और जिला स्तर के पदाधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा, ''ब्रज प्रांत के 12 जिलों में 2,000 स्थानों पर सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लगभग 3,000 बस्तियां और मंडल शामिल होंगे। स्थानीय आयोजन समितियां 11 से 21 जनवरी के बीच तैयारियों को अंतिम रूप दे रही हैं।''

सम्मेलन में कौन-कौन होंगे शामिल?

उन्होंने बताया कि इन सम्मेलनों को बुद्धिजीवी, शिक्षक, चिकित्सक, इंजीनियर, महिला प्रतिभागी, संत और अन्य प्रमुख नागरिक संबोधित करेंगे। इस दौरान स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे और अंत में सामुदायिक भोज के साथ सम्मेलन समाप्त होगा। मथुरा जिले के बारे में जानकारी देते हुए क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख जगदीश प्रसाद ने बताया कि 86 मंडलों और 76 शहरी बस्तियों में लगभग 150 हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे।

युवा शक्ति 2026: भारत के भविष्य की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

(संपादकीय / अग्रलेख)।

12 जनवरी को देश राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में स्वामी विवेकानंद की जयंती मनाता है। यह केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है—कि आज का युवा भारत किस दिशा में खड़ा है और 2047 के विकसित भारत के संकल्प में उसकी भूमिका कितनी निर्णायक है। वर्ष 2026 में जब भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, तब “युवा शक्ति” केवल एक नारा नहीं, बल्कि राष्ट्र की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन चुकी है।

भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह जनसांख्यिकीय लाभ (Demographic Dividend) तभी वरदान बन सकता है, जब युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और सही दिशा मिले। अन्यथा यही शक्ति सामाजिक असंतोष, बेरोज़गारी और हताशा का कारण भी बन सकती है। इतिहास गवाह है कि जिन देशों ने अपने युवाओं को अवसर दिए, वे आगे बढ़े; और जिन्होंने उपेक्षा की, वे पिछड़ गए।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था— “उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत।” आज यह वाक्य भारतीय युवाओं के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। डिजिटल युग में अवसरों की कमी नहीं है—स्टार्टअप, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी और सेवा क्षेत्र नए द्वार खोल रहे हैं। परंतु चुनौती यह है कि शिक्षा और कौशल प्रणाली अभी भी कई जगह बाज़ार की ज़रूरतों से मेल नहीं खा पा रही।

बेरोज़गारी और कौशल अंतर आज के युवाओं की सबसे बड़ी चिंता है। पढ़े-लिखे युवाओं की बढ़ती संख्या के बावजूद उपयुक्त रोजगार का अभाव नीति-निर्माताओं के सामने गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। केवल डिग्री पर्याप्त नहीं; व्यावहारिक कौशल, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना अनिवार्य है। इसी दिशा में सरकार द्वारा स्किल इंडिया मिशन, स्टार्टअप इंडिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जैसे प्रयास किए गए हैं, पर ज़मीनी स्तर पर इनके प्रभाव को और मज़बूत करने की आवश्यकता है।

आज का युवा केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला भी बन सकता है—यदि उसे सही वातावरण मिले। स्वरोज़गार, स्टार्टअप और सामाजिक उद्यमिता को बढ़ावा देकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी युवाओं को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकता है। इसके लिए सस्ते ऋण, मार्गदर्शन और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करनी होगी।

हालाँकि चुनौतियाँ केवल आर्थिक नहीं हैं। नशाखोरी, मानसिक स्वास्थ्य, सोशल मीडिया की लत और दिशाहीन सूचना भी युवा पीढ़ी को प्रभावित कर रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म जहाँ अवसर देते हैं, वहीं भटकाव का खतरा भी बढ़ाते हैं। ऐसे में परिवार, शैक्षणिक संस्थानों और समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। युवाओं को आलोचनात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ना समय की मांग है।

लोकतंत्र की मजबूती में भी युवाओं की भूमिका निर्णायक है। मतदान, सामाजिक सहभागिता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता से ही स्वस्थ लोकतंत्र संभव है। युवा यदि केवल दर्शक बने रहें, तो निर्णय कुछ ही हाथों में सिमट जाते हैं; लेकिन जब युवा भागीदारी करते हैं, तब व्यवस्था में ऊर्जा और पारदर्शिता आती है।

महिलाओं की भागीदारी के बिना युवा शक्ति अधूरी है। शिक्षा, सुरक्षा, रोजगार और नेतृत्व में युवतियों को समान अवसर देना राष्ट्र निर्माण की अनिवार्य शर्त है। विकसित भारत की कल्पना तभी साकार होगी, जब युवा पुरुष और महिलाएँ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ें।

अंततः, युवा शक्ति 2026 का अर्थ केवल संख्या नहीं, बल्कि चरित्र, क्षमता और चेतना है। सरकार को नीतियाँ बनानी होंगी, संस्थानों को उन्हें ईमानदारी से लागू करना होगा और समाज को युवाओं पर विश्वास करना होगा। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ-साथ जिम्मेदारियाँ भी हैं।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर यह संकल्प लेना आवश्यक है कि भारत का युवा केवल अपने भविष्य के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य के लिए भी तैयार रहेगा। यही स्वामी विवेकानंद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी और यही भारत को विश्वगुरु बनने की ओर ले जाने वाली वास्तविक शक्ति।

WORLD NEWS | इजरायल में किया गया हाई अलर्ट,

इजरायल में किया गया हाई अलर्ट, क्या ईरान में हमले की तैयारी कर चुका अमेरिका? भारी तनाव

तेल अवीव: ईरान में दो हफ्ते से जारी विरोध प्रदर्शन और अमेरिका की अटैक की धमकी ने इजरायल की चिंता बढ़ा दी है। ईरान में अमेरिकी दखल की संभावना को लेकर इजरायल में हाई अलर्ट किया गया है। इजरायल को डर है कि अमेरिकी हमले के जवाब में ईरान की ओर से उसको निशाना बनाया जा सकता है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों को देखते हुए ईरान में भी सेना और रक्षा से जुड़े संस्थानों को अलर्ट पर रखा गया है।

टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, ईरान में चल रहे सरकार विरोधी आंदोलन में यूएस के दखल की संभावना को देखते हुए इजरायल हाई अलर्ट पर है। ईरान के संसद अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उनकी जमीन पर हमला करता है तो जवाब में अमेरिकी सेना और इजरायल उनकी आर्मी के निशाने पर होंगे। इसके बाद इजरायल में अलर्ट है।

ट्रंप ने फिर दिया बयान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कहा है कि ईरान में जो हालात बने हुए हैं, उसमें उनका देश दखल दे सकता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा है, 'ईरान स्वतंत्रता की ओर बढ़ रहा है और अमेरिका इसमें प्रदर्शनकारियों की हर तरह की मदद के लिए तैयार है।'

डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी अधिकारी लगातार कह रहे हैं कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्या होती है, तो अमेरिका इस मामले में कूद जाएगा। ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया है कि उनका ईरान में सेना भेजने का मकसद नहीं है। ट्रंप ने कहा है कि वह ईरान में ऐसी जगहों पर वार करेंगे, जो सबसे ज्यादा नुकसान करेगा।

ईरान ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

ईरान के विदेश मंत्रालय ने ट्रंप प्रशासन के उन बयानों की निंदा की है, जिनमें तेहरान में दखल की बात कही गई है। ईरान के मंत्रालय ने कहा कि ये बातें चीजों को खराब करने वाली और लोगों को गुमराह करने वाली हैं। इससे साफ होता है कि अमेरिका ईरानी जनता के प्रति दुश्मनी रखता है। हम किसी भी दखल का कड़ा जवाब देंगे।

ईरान की राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में बीते दो हफ्ते से प्रदर्शन हो रहे हैं। ये प्रदर्शन देश की मुद्रा रियाल आई गिरावट और आर्थिक परेशानियों के चलते शुरू हुए। ये प्रदर्शन अब काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। ईरानी सरकार ने प्रदर्शनकारियों की ओर से हिंसा और तोड़फोड़ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ईरान में दो सप्ताह से जारन विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में मरने वालों की संख्या कम से कम 116 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी है। ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है।

WORLD NEWS | इस्लामिक नाटो बनाने की तैयारी,

इस्लामिक नाटो बनाने की तैयारी, क्या पाकिस्तान-तुर्की-सऊदी को रोक पाएंगे भारत-इजरायल? बढ़ा तनाव

● NEWS AGENCY

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच बीते साल नाटो स्टाइल का अहम रक्षा समझौता हुआ है। इसमें अब तुर्की के भी शामिल होने की संभावना है। इसे एक इस्लामिक नाटो की तरह देखा जा रहा है।

अंकारा: सऊदी अरब और पाकिस्तान ने बीते साल स्ट्रेटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट (SMDA) किया है। इस समझौते में तुर्की भी शामिल हो सकता है। तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी अरब का ये गठबंधन बड़ा भूराजनीतिक घटनाक्रम है। इस समझौते में एक देश पर हमले को दोनों पर अटैक माना जाएगा। यह नाटो के आर्टिकल 5 जैसा है। अगर यह त्रिपक्षीय गुट बनता है तो सऊदी अरब की माली हैसियत, पाकिस्तान के परमाणु हथियार और नाटो के दूसरा बड़े सैन्य योगदानकर्ता के तौर पर तुर्की का भूराजनीतिक दबदबा होगा।

यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट कहती है कि तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी के गठबंधन को 'इस्लामिक NATO' के विजन की तरफ कदम के तौर पर देखा जा रहा है। यह गठबंधन फाइनल होता है तो यह भारत, इजरायल, आर्मेनिया और साइप्रस जैसे देशों के लिए चुनौती बन सकता है। हालांकि भारत और इजरायल की साझेदारी इसके रास्ते में अहम बाधा बनेगी। दोनों देशों की मजबूत सैन्य और रक्षा साझेदारी है।

भारत-इजरायल संबंध

तुर्की-पाकिस्तान-सऊदी के गुट के रूप में अगर इस्लामिक नाटो जैसा एक गठबंधन बनता है तो उसके सामने इजरायल और भारत की साझेदारी एक चुनौती बन सकती है। भारत ने 1996 में इजरायल के साथ औपचारिक रक्षा संबंध स्थापित किए। इसके बाद से दोनों देशों के संबंधों में बेहतरी आई है। इजरायल खासतौर से हवाई खतरों के खिलाफ भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में मदद कर रहा है

भारत ने इजरायल से कई सैन्य उपकरण खरीदे हैं, जिनमें बराक नौसैनिक एंटी-मिसाइल रक्षा प्रणाली हासिल की है। भारत को इजरायली हार्पी और मंडराने वाले हारोप किलर लोइटरिंग मिले हैं। इजरायल भारत के स्वदेशी AD सिस्टम का समर्थन कर रहा है, जिसमें एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली शामिल है। भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ भी इजरायली हथियार मददगार रहे हैं।

इस्लामिक नाटो बनाने की तैयारी, क्या पाकिस्तान-तुर्की-सऊदी को रोक पाएंगे भारत-इजरायल? बढ़ा तनाव

तुर्की क्या देख रहा है

सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ नाटो शैली के सैन्य गठबंधन में तुर्की ने शामिल होने का संकेत दिया है। तीनों देशों में हालिया दिनों में इस पर चर्चा हुई है और जल्दी ही इसको लेकर फाइनल ऐलान हो जाने की संभावना है। इसने पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया तक सुरक्षा संतुलन पर नई बहस छेड़ दी है।

सितंबर, 2025 में में सऊदी-पाक रक्षा समझौते की तर्ज पर बना यह संभावित गठबंधन सामूहिक रक्षा के सिद्धांत पर आधारित होगा। भारत के लिए इसमें खासतौर से पाकिस्तान की भूमिका चिंता का विषय है। पाकिस्तान को तुर्की की सैन्य मदद और सऊदी अरब की वित्तीय सहायता किसी टकराव में बहुत मजबूत कर सकता है।

ग्रीनलैंड पर हमले में क्या सिर्फ कुछ घंटे बाकी? ट्रंप ने सेना प्रमुख को दे दिया आदेश, रूस-चीन का डर

वॉशिंगटन: ग्रीनलैंड पर अमेरिका का सैन्य हमला बहुत जल्द हो सकता है। यह आशंका जताई जा रही है क्योंकि एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी स्पेशल फोर्सेज के प्रमुखों को ग्रीनलैंड पर हमले का प्लान बनाने को कहा है। ट्रंप ने कथित तौर पर अमेरिकी सेना के शीर्ष अफसरों से कहा है कि उनको ग्रीनलैंड में कार्रवाई करनी चाहिए क्योंकि इस मामले में ज्यादा देरी ठीक नहीं है। ट्रंप को लगता है कि ग्रीनलैंड पर देर करने से चीन और रूस को वहां दखल का मौका मिल सकता है। ऐसे में अगले कुछ दिनों या घंटों में ही हमले की आशंका कई एक्सपर्ट ने जताई है।

यह रिपोर्ट ट्रंप के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने जोर देकर कहा है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा किया जाएगा। ट्रंप ने ग्रीनलैंड पर कब्जे की इच्छा के पीछे अमेरिका की सुरक्षा का हवाला दिया है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ऐसा नहीं करेगा तो चीन या रूस यह कर सकते हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से कहा गया है कि वह ग्रीनलैंड पर नियंत्रण चाहते हैं और इसके लिए सैन्य विकल्प खुला है। ग्रीनलैंड फिलहाल डेनमार्क का अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है।

ग्रीनलैंड पर हमले की योजना बनाने का आदेश

डेली मेल ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि ट्रंप जल्दी से जल्दी ग्रीनलैंड पर कब्जे का प्लान चाहते हैं। ट्रंप हमले की योजना के लिए जॉइंट स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (JSOC) पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ इससे सहमत नहीं हैं। दूसरी ओर राजनीतिक सलाहकार स्टीफन मिल ग्रीनलैंड पर कार्रवाई चाहते हैं।

रिपोर्ट में डिप्लोमैटिक केबल के हवाले से कहा गया है कि घरेलू राजनीतिक कारणों से ट्रंप एक ऐसी स्थिति बना सकते हैं, जो बाद में समझौते की तरफ मुड़े। यूरोपीय अधिकारियों को डर है कि ट्रंप के लिए मिड-टर्म से पहले मौके खत्म हो रहा है, इसलिए वह जल्द ही ग्रीनलैंड में कार्रवाई कर सकते हैं। हालांकि अभी सेना में इस पर एकराय नहीं है।

ट्रंप को चीन-रूस से खतरा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि रूस और चीन को रोकने के लिए अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा करना होगा। ट्रंप कहते हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड की रक्षा करनी होगी क्योंकि उस पर रूस और चीन की नजर है। ग्रीनलैंड की रक्षा के लिए हमें उले अपने नियंत्रण में लेने की जरूरत है।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीते साल और हालिया दिनों में कई बार कहा है कि ग्रीनलैंड का अमेरिका के नियंत्रण में होना उनके देश की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। दूसरी ओर डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों ने कहा है कि वह इसके लिए तैयार नहीं है। डेनमार्क सरकार ने अमेरिका के सैन्य हमले की सूरत को नाटो के खत्म हो जाने तक की धमकी दी है।

ग्रीनलैंड पर क्यों है अमेरिका की नजर

ग्रीनलैंड उत्तर अमेरिका और आर्कटिक के बीच है। यहां के लोग खुद अपना शासन चलाते हैं लेकिन विदेश नीति और सेना डेनमार्क के पास है। अपनी विशेष स्थिति (लोकेशन) की वजह से ग्रीनलैंड मिसाइल हमलों की स्थिति में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम के लिए अहम है। जहाजों की निगरानी के लिए भी यह

महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ

नंदिग्राम टाईम्स

Monday 12th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 257 , पृष्ठ 03

अजीत पवार ने 'लाडकी बहिन योजना' भुगतान तारीख पर स्पष्ट किया बयान, कांग्रेस की चुनाव आयोग में शिकायत

महाराष्ट्र की 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने भत्ते की भुगतान तारीख पर बड़ा बयान दिया है। पवार ने स्पष्ट किया कि ₹3,000 की किस्त विस्तृत रूप से संकटापूर्वक चुनाव आयोग के निर्णय पर निर्भर करेगी और आयोग के निर्देश के अनुसार ही भुगतान किया जाएगा। योजना को लेकर कुछ राजनीतिक दलों ने निवडणूक आयोग को शिकायत भी दर्ज करवा दी है।

कांग्रेस ने राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर मांग की है कि दिसंबर 2025 और जनवरी 2026 की भुगतान किस्तें नगर निकाय चुनावों के बाद जारी की जाएं, ताकि चुनाव के दौरान इस योजना के भुगतान से मतदाताओं पर राजनीतिक प्रभाव न पड़े। कांग्रेस का तर्क है कि इसके साथ आचार संहिता का उल्लंघन हो सकता है। अजीत पवार ने reaffirm किया है कि जब तक देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री हैं, यह योजना जारी रहेगी, लेकिन भुगतान तिथि आयोग की अनुमति पर निर्भर करेगी। पवार के बयान के बाद भी राजनीतिक बहस जारी है और विपक्ष इस मुद्दे को चुनावी रणनीति के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।

MAHARASHTRA NEWS | फडणवीस बोलेः कुंभ मेळा "अकबर के पूर्वजों" से भी पहले की परंपरा

फडणवीस बोलेः कुंभ मेळा "अकबर के पूर्वजों" से भी पहले की परंपरा, नाशिक विकास के साथ धर्म-संस्कृति की पहचान बनाए रखेगा

नाशिक | नाशिक महानगरपालिका चुनाव 2026 के प्रचार के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नाशिक कुंभ मेले को लेकर बड़ा बयान दिया है। विजय संकल्प सभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नाशिक का कुंभ मेळा सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति की प्राचीन पहचान है और यह कोई रोक नहीं सकता। फडणवीस ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह मेळा "अकबर के बाप के बाप" से भी पहले से नाशिक में आयोजित होता आया है, जो इसकी ऐतिहासिक गहराई और धार्मिक महत्ता को दर्शाता है।

उन्होंने 2015 के नाशिक कुंभ मेले का उदाहरण देते हुए बताया कि कम समय के बावजूद उस आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया था। उनका कहना था कि नाशिक कुंभ की परंपरा बेहद प्राचीन है और यह हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, जिसे किसी भी बाहरी शक्ति से रोका नहीं जा सकता।

मुख्यमंत्री ने नाशिक के आर्थिक व बुनियादी ढांचे के विकास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नाशिक का विकास केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर को लॉजिस्टिक, मैन्युफैक्चरिंग और तकनीकी हब के रूप में भी विकसित किया जाएगा। फडणवीस ने विमानतल विस्तार, नए रिंग रोड, नाशिक-पुणे तथा नाशिक-सोलापूर हाईवे जैसे परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इससे नाशिक की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

इस बीच, चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने उन पर आरोप लगाया कि वे नाशिक की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान को समझे बिना ही राजनीति कर रहे हैं, और विकास के मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।

नाशिक में कुंभ मेळा का आयोजन 2026 से 2028 तक बड़े पैमाने पर होने वाला है, जिसमें बिहार से लेकर देश भर के लाखों श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। इस आयोजन को लेकर कई बड़े विकास कार्य राज्य और केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 20,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएँ शामिल हैं, जैसे सड़क नेटवर्क का विस्तार, पानी-बिजली और साफ-सफाई इंफ्रास्ट्रक्चर, और एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजन की सुचारू रूप से व्यवस्था।

फडणवीस का यह बयान न सिर्फ धार्मिक महत्ता को रेखांकित करता है बल्कि चुनावी राजनीति में भी भाजपा की स्थिति को मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है। उन्होंने नाशिक के विकास के बड़े वादे किए हैं और कुंभ मेळा को न केवल एक धार्मिक आयोजन बल्कि शहर के भविष्य की पहचान बनाने का माध्यम बताया है।

अहमदाबाद का नाम बदलें — उद्धव ठाकरे की अमित शाह को चुनौती

संवाददाता |

छत्रपती संभाजीनगर में महापालिका चुनाव प्रचार के दौरान शिवसेना (UBT) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार और भाजपा पर हमला बोलते हुए गुजरात के अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती करने की चुनौती दी। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी ने पहले औरंगाबाद का नाम संभाजीनगर करने जैसे बड़े फैसले भले ही लिए हों, लेकिन सत्ता में आने के बाद भाजपा उन पर गलत दावा करती है। इसलिए अगर भाजपा में वाकई हिम्मत है तो अमित शाह जिन्होंने अहमदाबाद का प्रतिनिधित्व किया है, वह शहर का नाम कर्णावती कर दिखाएं, यह चुनौती उन्होंने शनिवार को सभा में दी।

ठाकरे ने जोर देकर कहा कि यह लड़ाई केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की नहीं बल्कि मराठी अस्मिता और अस्तित्व की लड़ाई है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे पैसों के सहारे चुनावी माहौल को प्रभावित कर रहे हैं और शिवसेना के प्रति जनसमर्थन को नजरअंदाज कर रहे हैं।

सभा में ठाकरे ने कहा कि पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पार्टी को मिली हार से सबक लेना चाहिए और स्थानीय मुद्दों पर जनता को सचेत करना चाहिए। उन्होंने अपनी पार्टी का वचनपत्र भी जारी किया। इस चुनौती के साथ भाजपा और उसके नेतृत्व पर राजनीतिक दबाव बढ़ा है और नामकरण विवाद आगामी चुनावी बहस का एक मुख्य मुद्दा बनता दिख रहा है।

पुणे-PCMC चुनाव: फडणवीस-अजित पवार आमने-सामने, महायुती में तल्ख माहौल

महाराष्ट्र में 2026 के स्थानीय निकाय चुनावों के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बीच राजनीतिक टकराव तेज़ होता जा रहा है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड महापालिका (PCMC) की लड़ाई सिर्फ बीजेपी और एनसीपी के बीच नहीं है, बल्कि महायुती (BJP-Shiv Sena-NCP) के भीतरही तनाव का स्वरूप लेती दिख रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने पुणे में एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने अब तक संयम बनाए रखा है, लेकिन अजित पवार का संयम ढल गया है और पवार के बयान चुनावी माहौल को और अधिक गरमा रहे हैं।

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड में महायुती के रूप में गठबंधन नहीं होगा और दोनों पक्ष स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेंगे, जिससे स्थानीय सत्ता पर कब्जा करने को लेकर सियासी रण अधिक तीव्र होगा।

हाल ही में पिंपरी-चिंचवड में महापालिका चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने बीजेपी पर आरोप लगाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि पिछले शासन में भ्रष्टाचार फैला और शहर को भारी कर्ज में ढकेल दिया गया है। भाजपा ने भी पीछे नहीं हटते हुए रविन्द्र चव्हाण के माध्यम से पवार के आरोपों का कड़ा जवाब दिया है, जिससे दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का स्तर बढ़ गया है।

इस बीच कांग्रेस समेत अन्य दल भी महायुती के आंतरिक मतभेदों का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने पवार को उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की चुनौती देते हुए फडणवीस से एनसीपी को सरकार से बाहर करने का आग्रह किया है, इस तरह राज्य में महायुती की नीतिगत और राजनीतिक मजबूती पर सवाल उठाए हैं।

पिंपरी-चिंचवड व पुणे में स्थानीय प्रशासन और विकास के मुद्दे मुख्य चुनावी विषय हैं, लेकिन वर्तमान में फडणवीस और पवार की कूटनीतिक टकराहट ने राजनीतिक दलों के बीच प्रतिद्वंद्विता को और बढ़ा दिया है, जिससे चुनाव का परिणाम और भी अनिश्चितता भरा दिखाई देता है।

सेवरी रैली में नितेश राणे का ठाकरे बंधुओं पर तीखा हमला, 'जय श्रीराम' को लेकर चेतावनी

मुंबई महापालिका चुनाव (BMC Election 2026) के मद्देनजर सेवरी में आयोजित एक प्रचार रैली में भाजपा नेता नितेश राणे ने उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने विरोधी पक्ष को निशाना बनाते हुए कहा कि हिंदुत्व, मराठी माणूस और मुंबई की अस्मिता के मुद्दों पर ठाकरे बंधुओं की भूमिका संदिग्ध है और जनता को सतर्क रहने की जरूरत है।

राणे ने कहा कि यदि मतदाता 16 तारीख के बाद सतर्क नहीं रहेगा तो 'जय श्रीराम' कहना भी मुश्किल हो सकता है, इसलिये महायुति गठबंधन को समर्थन देना आवश्यक है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मराठी लोगों के मुद्दों का उपयोग केवल सत्ताधारी हितों के लिये किया जा रहा है, जबकि भाजपा और महायुति इस पहचान की रक्षा के लिये सबसे आगे हैं।

नितेश राणे ने बाळासाहेब ठाकरे के विचारों तथा पंतप्रधान नरेंद्र मोदी के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी ने ठाकरे के सपनों को साकार किया है और मतदाताओं से महायुति के पक्ष में वोट देने का आग्रह किया। रैली में महायुति के उम्मीदवारों के लिये समर्थन की अपील भी की गई।

कोहली ने बताया POTM ट्रॉफी का असली रखवाला — "मैं भेजता हूँ माँ को"

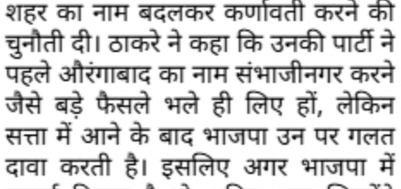

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच के बाद एक मज़ेदार खुलासा किया है। वडोदरा में खेले गए मैच में शानदार 93 रन की पारी खेलकर कोहली को 'प्लेयर ऑफ़ द मैच' (POTM) चुना गया, जिसे उन्होंने अपनी 45वीं POTM ट्रॉफी बताया।

ट्रॉफी मिलने पर जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें पता है कि उन्होंने कुल कितनी POTM ट्रॉफियाँ जीती हैं, तो कोहली ने ईमानदारी से कहा कि उन्हें इसका खुद को भी हिसाब नहीं है और वह हर ट्रॉफी अपनी गुरुग्राम में रहने वाली मां के पास भेज देते हैं, क्योंकि उन्हें यह सबसे ज़्यादा पसंद है। कोहली ने यह भी कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह करने से ज़्यादा उनका ध्यान टीम की जीत पर रहता है और वह अपने पूरे करियर को एक सपने के साकार होने जैसा मानते हैं।

"एक नहीं, दो किलो मटन भेजो, लेकिन उन्हें घर बैठाओ" सुनील तटकरें का अशोक चव्हाण पर तीखा तंज, नांदेड की सियासत गरमाई

नांदेड (संवाददाता): माजी मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण द्वारा चुनावी सभा में दिए गए मटन संबंधी बयान ने नांदेड की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उनके इस बयान पर जहां राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं, वहीं अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेशाध्यक्ष सुनील तटकरे भी खुलकर मैदान में उतर आए हैं। तटकरे ने अशोक चव्हाण पर जोरदार तंज कसते हुए भाजपा पर भी अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधा है।

नांदेड महानगरपालिका चुनाव के प्रचार के दौरान यह मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है। महायुति के घटक दलों के नेताओं ने भी अशोक चव्हाण के बयान को लेकर असहजता जताई है। शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायकों ने इस बयान को भाजपा की "राजनीतिक संस्कृति" से जोड़ते हुए सवाल उठाए हैं।

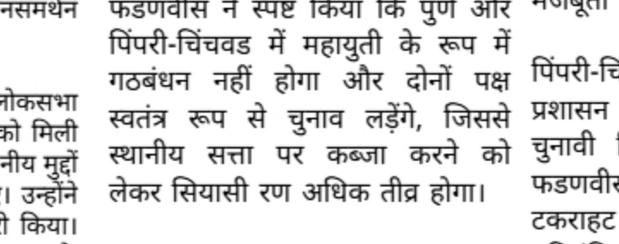

मटन के बयान से सियासी तापमान बढ़ा

दरअसल, तरोडा क्षेत्र में आयोजित एक भाजपा की जनसभा में अशोक चव्हाण ने यह कहते हुए सबको चौंका दिया था कि, "रोज मटन खाओ और भाजपा का बटन दबाओ।" राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे की मौजूदगी में दिए गए इस बयान को लेकर चौतरफा आलोचना हो रही है।

इसी पृष्ठभूमि में रविवार को चौफाला क्षेत्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए सुनील तटकरे ने चव्हाण पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा,
"मैं खुद शाकाहारी हूं, लेकिन उन्हें एक किलो क्यों, दो किलो मटन भेजो और घर बैठाओ।"
उनके इस बयान पर सभा में जोरदार तालियां गूंजीं।

भाजपा पर भी साधा निशाना

सुनील तटकरे ने आगे कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नांदेड शहर की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शहर में मजबूत और सक्षम नेतृत्व तैयार करने की जरूरत है और यह जिम्मेदारी राष्ट्रवादी कांग्रेस निभाएगी।
इस बीच, शिवसेना के विधायक प्रताप पाटील चिखलीकर ने भी अशोक चव्हाण के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा,

'अशोक चव्हाण ने मतदाताओं की कीमत मटन से जोड़ दी है। अब मतदाताओं को चाहिए कि वे अपना स्वाभिमान जगाएं और भाजपा को घर बैठाएं।"

चुनावी मुद्दा बना मटन विवाद

नांदेड महानगरपालिका चुनाव के प्रचार में अब मटन वाला बयान मुख्य राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। एक ओर जहां विपक्ष इसे मतदाताओं का अपमान बता रहा है, वहीं दूसरी ओर भाजपा को इस बयान से असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में यह विवाद चुनावी माहौल को और अधिक गरमाएगा, यह तय माना जा रहा है।

शिंदे-भाजपा की सत्तायात्रा पर काँग्रेस का तीखा हमला: हैदराबाद व ठाणे के 'दाढ़ी वालों' को एक सिक्के के दो पहलू बताया

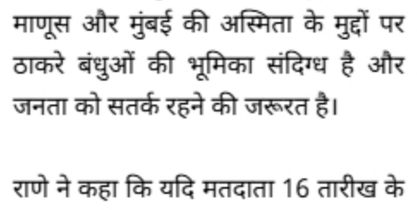

महाराष्ट्र में नगर परिषद चुनावों के बाद राजनीति गरमाई हुई है। काँग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना (शिंदे गुट) और भाजपा की वर्तमान सत्तासंघ की राजनीतिक रणनीति पर तीखी आलोचना करते हुए कहा है कि हैदराबाद का दाढ़ी वाला और ठाणे का दाढ़ी वाला "एक ही सिक्के के दो पहलू" हैं, जिससे उन्होंने सत्ताधारियों की कथित राजनीति को बर्खास्त किया है।

सपकाळ ने आरोप लगाया कि भाजपा और शिंदे-शिवसेना ने चुनावी रणनीति के तहत हर बार सत्ता के लिए विरोधी विचारधाराओं वाले दलों के साथ गठबंधन किया है, जिसे उन्होंने खतरनाक और पाखंडी बताया। उन्होंने कहा कि अकोट में भाजपा ने और बीड़ में शिंदे-शिवसेना ने एमआईएम के साथ गठबंधन कर वास्तव में अपनी सत्तास्थिति बचाने के लिए धार्मिक और जातीय विभाजन की राजनीति को बढ़ावा दिया है।

सपकाळ ने कहा कि सत्ताधारी दलों की यह चाल मतदाताओं को भ्रमित करने वाली है क्योंकि प्रचार में लोग धार्मिक भावनाओं का उपयोग करते दिखते हैं, लेकिन सत्ता पाने के लिए वे किसी भी राजनीतिक गठबंधन से आगे नहीं हटते। उन्होंने इसे "बोचरी राजनीति" कहा और जनता से इस खेल को पहचानने का आग्रह किया।

साथ ही उन्होंने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम वरिष्ठ नेता दि. बा. पाटील के नाम पर रखने की मांग भी दोहराई और भाजपा पर कोडगेपणा (निष्क्रियता) के आरोप लगाए। सपकाळ ने कहा कि आचारसंहिता समाप्त होने के बाद हवाई अड्डे का नामकरण तुरंत किया जाना चाहिए।

राजनीतिक पटल पर यह बयान काँग्रेस द्वारा सत्तापक्ष की नीतियों और चुनावी रणनीतियों पर चल रहे विवादों को और तेज कर रहा है, जिससे आगामी स्थानीय चुनावों में राजनीतिक दबाव और सतह पर आ गया है।

नांदेड़ वॉक्स

नांदेड़ जिला > नांदेड़ शहर

नंदिग्राम टाईम्स

Monday 12th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 257 , पृष्ठ 04

तरोड़ा (बु.) में उद्धव ठाकरे शिवसेना की मशाल रैली, अपर्णा देशमुख के समर्थन में उमड़ा जनसमर्थन

नांदेड। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की ओर से तरोड़ा (बु.) क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 2 की उम्मीदवार अपर्णा गजानन देशमुख के समर्थन में भव्य मशाल रैली का आयोजन किया गया। सायंकाल के समय निकाली गई इस रैली ने पूरे क्षेत्र को रोशनी और उत्साह से भर दिया, जिससे वातावरण पूरी तरह जीवंत हो गया।

इस रैली में शिवसेना के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल हुए। क्षेत्र की जनता लंबे समय से उन्हीं पुराने चेहरों को देखकर असंतोष महसूस कर रही है और नए, कर्मठ नेतृत्व की तलाश में है। ऐसे समय में मशाल रैली ने तरोड़ा (बु.) में परिवर्तन का संदेश देते हुए लोगों में नया जोश और विश्वास पैदा किया।

रैली के पश्चात आयोजित जनसभा में भारी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता धोंडू पाटील ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव आम जनता के अधिकारों और निष्ठावान शिवसैनिकों के संघर्ष का प्रतीक है, जिसमें निश्चित रूप से जनता की जीत होगी।

जिला प्रमुख भुजंग पाटील ने अपने भाषण में विरोधी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए अपर्णा देशमुख को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। महानगर प्रमुख प्रकाश मारावार ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर प्रकाश डाला, जबकि उपजिला प्रमुख व्यंकोबा येडे ने सत्तारूढ़ दल की कार्यप्रणाली की आलोचना की। इस कार्यक्रम में तालुका प्रमुख सुनील कदम, बंडू देशमुख, गजानन देशमुख, नागनाथ माधापुरे सहित अनेक वरिष्ठ और निष्ठावान शिवसैनिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

NWMC ELECTION 2026 | नांदेड में भाजपा का 'बोरिया-बिस्तर' तय : सांसद रविंद्र चव्हाण

मोदी सरकार ने शहर को विकास से वंचित किया, महापालिका चुनाव में होगा सूपड़ा साफ,नांदेड में भाजपा का 'बोरिया-बिस्तर' तय : सांसद रविंद्र चव्हाण

नांदेड, संवाददाता। : भारतीय जनता पार्टी के राज्य स्तरीय नेतृत्व को मराठवाड़ा के विकास से कोई लेना-देना नहीं है। वैधानिक विकास मंडल की अवधि बढ़ाने से लेकर नांदेड के राजस्व आयुक्तालय तक, हर महत्वपूर्ण मुद्दे को भाजपा सरकार ने जानबूझकर लटकाकर रखा है। केंद्र और राज्य में भाजपा की सरकार आने के बाद नांदेड को योजनाबद्ध तरीके से उपेक्षित किया गया है। इसी कारण आगामी महानगरपालिका चुनाव में नांदेड की जनता भाजपा का 'बोरिया-बिस्तर' बांधने का मन बना चुकी है, ऐसा विश्वास सांसद रविंद्र चव्हाण ने व्यक्त किया।

वे नांदेड महानगरपालिका चुनाव के प्रचार अभियान के तहत प्रभाग क्रमांक 8 में कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के संयुक्त उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर श्याम दरक, हनुमंत पाटील बेटमोगरेकर, राजेश पावड़े, फारूक अहमद, प्रशांत इंगोले सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सांसद चव्हाण ने भाजपा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (JNNURM) के माध्यम से नांदेड को करोड़ों रुपये का अनुदान मिला, जिससे शहर का कायाकल्प हुआ। लेकिन मोदी सरकार के सत्ता में आते ही इस योजना को बंद कर दिया गया, जिसका सीधा नुकसान नांदेड के विकास को झेलना पड़ा। आज विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले स्थानीय भाजपा नेता जनता को भ्रमित कर रहे हैं, लेकिन नांदेड की जनता अब इन झूठे वादों के झांसे में आने वाली नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की विचारधारा सभी जाति-धर्मों को साथ लेकर चलने वाली है। आने वाले पांच वर्षों में युवा नेतृत्व के माध्यम से शहर के विकास को नई दिशा दी जाएगी।

कांग्रेस-वंचित आघाड़ी के पास ऐसे उम्मीदवार हैं, जिनमें विकास की प्रतिबद्धता और मजबूत जनसंपर्क है। इसलिए नांदेड के सुरक्षित और प्रगतिशील भविष्य के लिए महापालिका की सत्ता कांग्रेस-वंचित आघाड़ी को सौंपने की अपील उन्होंने मतदाताओं से की।

मराठवाड़ा के प्रति भाजपा में संवेदना का अभाव

महायुति पर तीखा प्रहार करते हुए सांसद चव्हाण ने कहा कि नांदेड में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस—तीनों दल एक-दूसरे के खिलाफ खड़े नजर आ रहे हैं। गठबंधन केवल नाम तक सीमित रह गया है, जबकि अंदरखाने एक-दूसरे की टांग खींचने का खेल चल रहा है। जनता को हल्के में लेने वाली इन पार्टियों को इस बार मतदाता उनका सही स्थान दिखाएंगे।

इस सभा में वंचित बहुजन आघाड़ी के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस-वंचित आघाड़ी की जीत निश्चित है। सभा में प्रभाग क्रमांक 8 के नागरिकों, कार्यकर्ताओं और महिलाओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

प्रकाश आंबेडकर ने छत्रपती संभाजीनगर में भाजपा को न वोट देने का आग्रह किया

संवाददाता

छत्रपती संभाजीनगर में राजनीतिक माहौल गर्म हैं, जहाँ प्रकाश आंबेडकर ने एक रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट न देने की अपील की है। उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी का कार्यकाल "कंबरडं मोडलंय" यानी जनता को निराश किया है और यह समय है कि लोग बदलाव की ओर देखें।

आंबेडकर ने अपने भाषण में यह भी कहा कि सनातन हिंदुओं को भाजपा के समर्थन से परहेज करना चाहिए और मोदी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए। उन्होंने यह बयान छत्रपती संभाजीनगर की जनता से सीधे संवाद के दौरान दिया, जहाँ उन्होंने राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों को स्थानीय चुनावी संदर्भ में जोड़ने की कोशिश की। इस अपील का मकसद स्पष्ट रूप से भाजपा के खिलाफ वोट बैंक को प्रभावित करना है, खासकर स्थानीय निकाय चुनावों के समीप आते ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। विपक्षी नेताओं द्वारा मोदी सरकार और भाजपा पर लगाए गए आरोपों ने क्षेत्र में चुनावी चर्चा को और उभारा है।
इन बयानों के बाद आगामी चुनावों में मतदाताओं की प्रतिक्रिया और राजनीतिक रणनीतियों में बदलाव पर नजर बनी हुई है।

विधायक के एलएक्यू के बाद भी हालात जस के तस; बिलोली में रेत माफियाओं का राज, प्रशासन की 'मौन सहमति'?

बिलोली (संवाददाता): बिलोली तहसील में अवैध रेत तस्करी का काला कारोबार एक बार फिर पूरे ज़ोर-शोर से शुरू हो गया है। हालात ऐसे हैं कि माफिया पूरी ताक़त में हैं, प्रशासन गहरी नींद में और कार्रवाई केवल काग़ज़ों तक सीमित नज़र आ रही है। लोकतंत्र के मंदिर में आवाज़ उठते ही कुछ दिनों के लिए शांति छा जाती है, लेकिन जैसे ही राजनीतिक गहमागहमी ठंडी पड़ती है, तस्करों को फिर से 'हरी झंडी' मिल जाती है। यही बन गया है कुख्यात 'बिलोली पैटर्न'।

देगलूर-बिलोली के विधायक जितेश अंतापुरकर ने शीतकालीन अधिवेशन में तारांकित प्रश्न (एलएक्यू) के ज़रिए अवैध रेत परिवहन पर सीधा हमला बोला था। विधानसभा अध्यक्ष के सामने ही उन्होंने उपविभागीय अधिकारी क्रांति डोंबे और तहसीलदार गजानन शिंदे की 'आशीर्वादपूर्ण भूमिका' का गंभीर आरोप लगाया था। इस बयान से प्रशासन में खलबली मच गई और करीब 15 से 20 दिनों तक रेत तस्करी पूरी तरह ठप रही। लेकिन अधिवेशन समाप्त होते ही राजनीतिक चर्चा भी थमी और तस्करी एक बार फिर पहले जैसी रफ्तार से शुरू हो गई। साफ है कि प्रश्न से तस्करी रुकती है, प्रशासन से नहीं।

नदी घाटों पर खुलेआम लूट
हुंगुंदा, गंजगांव, येसगी, सगरोली और कोलगांव जैसे नदी घाटों से रोज़ रात 2 बजे से शाम 6 बजे तक हायवा ट्रक और सैकड़ों ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत निकाल रहे हैं। यह केवल रेत की चोरी नहीं, बल्कि नदियों के अस्तित्व पर हमला, पर्यावरण का विनाश, सरकारी राजस्व की लूट और गरीबों के घरकुल सपनों पर डाका है।

घाटों पर अलग-अलग रैकेट, अलग-अलग दलाल और अलग-अलग वसूली पॉइंट सक्रिय हैं। हुंगुंदा घाट से रेत कुंडलवाड़ी, धर्माबाद, बिलोली के साथ-साथ तेलंगाना के कंदूरकी, खंडगांव तक पहुँच रही है। गंजगांव घाट से माचनूर, कारला और आसपास के गांवों में आपूर्ति हो रही है। येसगी घाट से बड़ूर, हिंगणी, आदमपुर, खतगांव की ओर ट्रैक्टर और हायवा दौड़ रहे हैं।

घरकुल लाभार्थियों का शोषण
सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि अवैध रूप से जमा की गई रेत को दोगुने-तिगुने दाम पर घरकुल योजना के लाभार्थियों को बेचा जा रहा है। जिन्हें सरकार घर देने का संकल्प लेती है, उन्हीं पर माफिया रेत खरीदने की मजबूरी थोप रहे हैं।
योजना सरकार की, लेकिन मुनाफ़ा दलालों का!

रेत तस्करी रोकने के लिए तहसील स्तर पर विशेष पथक तैनात किया गया है, लेकिन यह पथक न नदी में दिखता है, न घाट पर, न सड़कों पर—सिर्फ फाइलों और हाज़िरी रजिस्टर तक सीमित है। पथक 'काग़ज़ी बाघ' बन चुका है और तस्कर 'सड़कों के शेर'।

स्थानीय नागरिकों का खुला आरोप है कि पथक के कुछ कर्मचारियों को 'घर-पोच मलिदा' मिलता है, इसी वजह से कार्रवाई न के बराबर है।
अब सवाल यह है कि क्या बिलोली में अवैध रेत तस्करी पर सच में लगाम लगेगी? या फिर हर बार की तरह कुछ दिनों की कार्रवाई के बाद माफिया फिर से बेख़ौफ़ राज करता रहेगा?

नागपुर MIHAN को Boeing-777 मेंटेनेंस की मंजूरी

नागपुर के MIHAN (Multi-modal International Cargo Hub and Airport at Nagpur) प्रोजेक्ट को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। अमेरिकी विमानन प्रशासन ने Boeing-777 जैसे बड़े विमान की रख-रखाव (Maintenance) सेवाओं के लिए MIHAN को आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इससे नागपुर को न सिर्फ भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विमान मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहाल (MRO) सेंटर के रूप में मान्यता मिलने जा रही है।

इस फैसले का असर सीधे नागपुर की अर्थव्यवस्था और रोजगार पर पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि बोइंग जैसे बड़े विमानों की सेवा के लिये विशेषज्ञ तकनीशियन, इंजीनियरों व अन्य सुविधाओं की जरूरत होगी। इससे स्थानीय युवाओं के लिये प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि MIHAN को मिली यह मंजूरी नागपुर को वैश्विक विमानन रख-रखाव हब की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत को इस तरह की सेवाएं विदेशों पर निर्भर रहने की बजाय देश के भीतर ही उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और विदेशी मुद्रा की बचत भी संभव हो सकेगी। MIHAN के विकास से नागपुर का वैश्विक लॉजिस्टिक्स और एयरोस्पेस डेस्टिनेशन के रूप में स्थान मजबूत होगा, जो आगामी वर्षों में और निवेश आकर्षित कर सकता है।

ज्येष्ठ समाजवादी नेता गंगाधरराव पटणे का निधन, समाजवादी आंदोलन को अपूरणीय क्षति

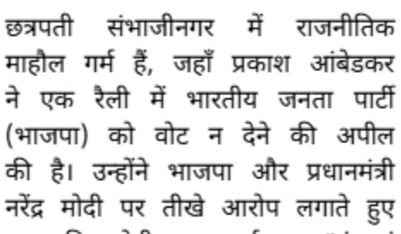

नांदेड/(संवाददाता)—जनता दल के पूर्व विधायक और वरिष्ठ समाजवादी नेता गंगाधरराव पटणे का गुरुवार को नांदेड में वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। वे 85 वर्ष के थे। पटणे 1998 से 2004 तक विधान परिषद के सदस्य रहे तथा 1974 से 1981 के दौरान बिलोली नगर परिषद के नगराध्यक्ष रहे। साने गुरुजी और महात्मा बसवेश्वर के विचारों से प्रेरित पटणे शिक्षा प्रेमी, पुस्तकालय आंदोलन के मजबूत स्तंभ और समाजवादी चिंतक के रूप में पहचाने जाते थे। उन्होंने देहदान का संकल्प लिया था, जिसके अनुसार उनका पार्थिव श्री गुरु गोविंद सिंहजी शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय को सौंप दिया गया। उनके निधन से सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक क्षेत्र में शोक की लहर है।

दो बार मुख्यमंत्री रहे, फिर भी नांदेड दक्षिण का विकास क्यों नहीं किया?" विधायक हेमंत पाटील का भाजपा नेतृत्व पर तीखा हमला

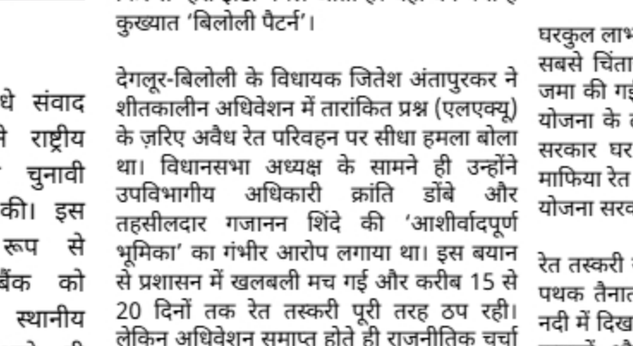

नांदेड | (संवाददाता): दो बार राज्य के मुख्यमंत्री पद पर रहने के बावजूद अशोकराव चव्हाण ने नांदेड दक्षिण क्षेत्र का विकास क्यों नहीं किया? यह सीधा और तीखा सवाल विधायक हेमंत पाटील ने भाजपा नेतृत्व से किया। वे नांदेड दक्षिण क्षेत्र में शिवसेना उम्मीदवारों के प्रचार हेतु आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

प्रभाग क्रमांक 15 में शिवसेना के उम्मीदवार सुंदरलाल गुरुखुदे उर्फ तुलजेश यादव, सौ. पूजा फटाले, सौ. नीलम गुरुखुदे और सत्यजीत डोईफोडे के समर्थन में आयोजित इस सभा में विधायक हेमंत पाटील ने भाजपा और पूर्व मुख्यमंत्री पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पुराने नांदेड शहर और दक्षिण नांदेड का समुचित विकास नहीं हुआ, जिसका खामियाजा यहां के नागरिक आज तक भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने लंबे समय तक ऐसे उम्मीदवारों को चुना, जिन्होंने क्षेत्र के विकास की ओर ध्यान नहीं दिया। जिन नेताओं ने इन उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा, वे स्वयं दो बार मुख्यमंत्री रहे, लेकिन पुराने नांदेड और दक्षिण नांदेड के विकास के लिए ठोस कार्य नहीं कर पाए। ऐसे में जनता को यह जानने का अधिकार है कि विकास क्यों नहीं हुआ।

विधायक पाटील ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय भावनात्मक अपील करना, खोखले वादे करना और चुनाव समाप्त होते ही जनता को भुला देना—यही पूर्व मुख्यमंत्री की राजनीति रही है। अब समय आ गया है कि जनता ऐसे नेताओं को स्थायी सबक सिखाए।
उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आगामी महानगरपालिका चुनाव में शिवसेना के सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाएं। प्रभाग क्रमांक 15 शिवसेना का गढ़ रहा है और इसे फिर से साबित करने का समय आ गया है।

क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए वे स्वयं पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं, यह भरोसा भी उन्होंने दिया।

सभा में विधायक आनंदाराव बोंढारकर, किशन फटाले, विक्रम पाटील, अमित नागूल, राम नागूल, रमेश नागूल, अभिषेक नागूल, प्रकाश नागूल, ब्रिजेश सोनी, गंगाधर ढवळे, कमलेश यादव, कार्तिक गुरुखुदे, हरीश मुठाले, प्रद्युम्न यादव सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक और नागरिक उपस्थित थे।

होली, मन्यार गली, विणकर कॉलोनी और चौफाला क्षेत्र के मतदाता बड़ी संख्या में सभा में शामिल हुए। विधायक हेमंत पाटील ने आह्वान किया कि शिवसेना की भगवा लहर को नांदेड महानगरपालिका तक पहुंचाएं और वहीं रुकें। जिस तरह विधानसभा चुनाव में आनंदाराव बोंढारकर को विजयी बनाया गया, उसी तरह महानगरपालिका चुनाव में भी शिवसेना पर विश्वास जताते हुए भगवा फहराएं और विकास का मार्ग प्रशस्त करें।

शिवसेना उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करना विधायक कोहळीकर को पड़ा महंगा, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने तलब किया मुंबई

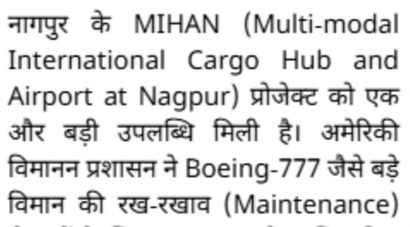

नांदेड (संवाददाता) : नांदेड महानगरपालिका चुनाव के दौरान शिवसेना के अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ प्रचार करना हदगांव के विधायक बाबुराव कोहळीकर को भारी पड़ गया है। इस मामले की गंभीर दखल लेते हुए उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने विधायक कोहळीकर को तात्कालिक रूप से मुंबई तलब किए जाने की जानकारी सामने आई है। उनकी यह अचानक "मुंबई वारी" फिलहाल राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, नांदेड महानगरपालिका चुनाव में शिवसेना द्वारा अधिकृत उम्मीदवार मैदान में उतारे जाने के बावजूद विधायक कोहळीकर ने एक प्रभाग में शिवसेना उम्मीदवार के बजाय एक अपक्ष उम्मीदवार के कार्यालय का उद्घाटन किया। इतना ही नहीं, उन्होंने खुले तौर पर उस अपक्ष उम्मीदवार को समर्थन देते हुए उसे विजयी बनाने की अपील भी की थी। स्वयं शिवसेना के विधायक होते हुए पार्टी के ही उम्मीदवार के खिलाफ अपनाई गई इस भूमिका से स्थानीय शिवसैनिकों में तीव्र नाराज़गी देखने को मिली।

यह पूरा घटनाक्रम जब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तक पहुँचा, तो उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए विधायक कोहळीकर को मुंबई बुला लिया। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें मुंबई में रहकर पार्टी के प्रचार और संगठनात्मक कार्यों में जुटने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नांदेड की स्थानीय राजनीति में हस्तक्षेप न करने की स्पष्ट हिदायत भी दी गई है।
पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर की गई इस कार्रवाई से शिवसेना कार्यकर्ताओं के बीच यह स्पष्ट संदेश गया है कि अधिकृत उम्मीदवार के खिलाफ जाने वालों पर सख्त कदम उठाए जाएंगे। नांदेड की सियासत में इस घटनाक्रम को अनुशासनात्मक कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है, जिससे आगामी चुनावी रणनीति पर भी असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

स्वाधिकारी नंदिग्राम टाईम्स (नांदेड़) के मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाइनिंग एंड ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, वाजेगांव, ता. व जि. नांदेड़ में मुद्रित तथा दैनिक नंदिग्राम टाईम्स, मुल्लाह मार्केट, खवी बिल्डिंग, नगरेश्वर मंदिर, नांदेड़–431604 (महाराष्ट्र) के कार्यालय से प्रकाशित। RNI-MAHHIN/2016/69743 मोबाइल संपर्क: 9921100075 | Email: ntinfodesk@gmail.com (वाद-विवाद हेतु न्यायक्षेत्र: नांदेड़ न्याय कक्षा में।)